

Inhalt

| | | |
|-----|--|----|
| 1 | Einleitung | 5 |
| 2 | Einordnung der Thematik | 7 |
| 2.1 | Fach- und Führungskräftemangel | 7 |
| 2.2 | Die Situation in Ostdeutschland | 8 |
| 2.3 | Die „Dritte Generation Ostdeutschland“ | 11 |
| 2.4 | Fazit | 14 |
| 3 | Methode | 17 |
| 3.1 | Methodisches Vorgehen | 17 |
| 3.2 | Fallauswahl | 19 |
| 4 | Ergebnisse | 21 |
| 4.1 | Beruf und Karriere | 21 |
| 4.2 | Familie und Beruf | 24 |
| 4.3 | Soziokulturelles Umfeld | 26 |
| 5 | Auswertung | 31 |
| 5.1 | Gemeinsamkeiten der Abgewanderten | 31 |
| 5.2 | Identität und Pragmatismus | 32 |
| 5.3 | Ich – ein Akteur!? | 34 |
| 5.4 | Rückkehr nach Ostdeutschland? | 35 |
| 5.5 | Potenziale und Grenzen | 38 |
| 6 | Schlussfolgerungen und Ausblick | 41 |
| | Literatur | 45 |